

विषय- हिंदी (आधार) -302

निर्धारित समय: 3 घण्टे

कक्षा- बारहवीं

अधिकतम अंक : 80

सामान्य निर्देश-

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए :-

- (i) यह प्रश्न-पत्र तीन खंडों में विभाजित है।
- (ii) खंड - क में अपठित बोध पर आधारित प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- (iii) खंड - ख में पाठ्यपुस्तक 'अभिव्यक्ति और माध्यम' से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
- (iv) खंड - ग में पाठ्यपुस्तक 'आरोह' और 'वितान' से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
- (v) तीनों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- (vi) यथासम्भव प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

प्रश्न संख्या	खंड -क (अपठित बोध)	18 अंक
1.	निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :- हिंदी अपना भविष्य किसी से दान में नहीं चाहती । यह तो उसकी गति का स्वाभाविक परिणाम होना चाहिए । जिस नियम से नदी, नदी की गति रोकने के लिए शिला नहीं बन सकती , उसी नियम से हिंदी भी किसी सहयोगिनी का पाठ अवरुद्ध नहीं कर सकती । यह आकस्मिक संयोग न होकर भारतीय आत्मा की सहज चेतना ही है ,जिसके कारण हिंदी के भावी कर्तव्य को जिन्होंने पहले पहचाना , वे हिंदी भाषी नहीं थे । राजाराम मोहन राय से महात्मा गाँधी तक प्रत्येक सुधारक, साहित्यकार, धर्मसंस्थापक, साधक और चिंतक हिन्दी के जिस उत्तर दायित्व की ओर संकेत करता आ रहा है ,उसे नतशिर स्वीकार कर लेने पर ही हिंदी लक्ष्य तक नहीं पहुँच जाएगी, क्योंकि स्वीकृतिमात्र न गति है, न गंतव्य । वस्तुतः सम्पूर्ण भारत संघ को एकता के सूत्र में बाँधने के लिए उसे दोहरे	10 अंक

	संबल की आवश्यकता है । एक तो आंतरिक, जो मन के द्वारों को उन्मुक्त कर सके और दूसरा बाह्य, जो आकार को सबल और परिचित बना सके । अन्य प्रदेशों के लोकहृदय के लिए तो वह अपरिचित नहीं है ,क्योंकि दीर्घकाल से संतसाधकों की मर्मबानी बनकर ही नहीं ,हाट बाजार की व्यवहार बोली के रूप में भी देश का कोना -कोना घूम चुकी है । यदि आज उसे अन्य प्रदेशों से अविश्वास मिले, तो उसका वर्तमान खंडित और मिथ्या हो जाएगा । उसकी लिपि का स्वरूप भी मतभेदों का केंद्र बना हुआ है । सुदूर अतीत की ब्राह्मी से नागरी लिपि तक आते -आते उसके बाह्य रूप को समय के प्रवाह ने इतना माँजा और खरादा है कि उसे किसी बड़े बड़ी शल्य -चिकित्सा की आवश्यकता नहीं है । स्वतन्त्रता ने हमें राजनीतिक मुक्ति देकर भी न मानसिक मुक्ति दी है और न हमारी दृष्टि को नया क्षितिज । हमारा शासन-तंत्र ,और उसके संचालक भी उसके अपवाद नहीं हो सकते, परंतु हमारे पथ की सबसे बड़ी बाधा बनी यह हमारी स्वतंत्र कार्यक्षमता राज्यमुखापेक्षी होती जा रही है । पर अंधकार आलोक का त्योहार भी तो होता है । दीपक की लौ के हृदय में बैठ सके ऐसा कोई बाण तूणीर में नहीं होता है । यदि हमारी आत्मा में विश्वास की निष्पक्ष लौ है , तो मार्ग उज्ज्वल रहेगा ही । भाषा को सीखना उसके साहित्य को जानना है और साहित्य को जानना मानव - एकता की स्वानुभूति है । हम जब साहित्य के स्वर में बोलते हैं तब वे स्वर दुष्कर समुद्रों पर सेतु बाँधकर, दुर्लघ्य पर्वतों को राजपथ बनाकर मनुष्य की सुख- दुख की कथा मनुष्य तक अनायास पहुँचा देते हैं ।	
(क)	गद्यांश के अनुसार हिन्दी अपना भविष्य किससे प्राप्त करना चाहती है? i. अन्य भाषाओं की सहायता से ii. किसी के दान या कृपा से iii. अपनी स्वयं की गति और विकास के परिणामस्वरूप iv. विदेशी तकनीक के सहारे	1
(ख)	गद्यांश में 'दोहरे संबल' से क्या तात्पर्य है? i आर्थिक और राजनीतिक शक्ति ii. आंतरिक और बाह्य शक्ति	1

	iii. साहित्यिक और वैज्ञानिक सहयोग iv. राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मान्यता	
(ग)	कथन (A): हिंदी किसी अन्य सहयोगिनी भाषा का पाठ अवरुद्ध नहीं कर सकती। कारण (R): जैसे नदी की गति को रोकने के लिए शिला नहीं बन सकती, उसी प्रकार हिंदी भी किसी भाषा के विकास में रुकावट नहीं डालती। i. A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है। ii. A और R दोनों सही हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं है। iii. A सही है, परंतु R गलत है iv. A गलत है, परंतु R सही है।	1
(घ)	हिंदी की भारतीय आत्मा को किसने पहचाना था ?	1
(ङ)	स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद भी हमें क्या प्राप्त नहीं हुआ है ?	2
(च)	हिंदी का भविष्य कैसा होना चाहिए ?	2
(छ)	हिंदी की व्यापकता कैसी है ?	2
2.	निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :-	8 अंक
	इन लहरों के टकराने पर, आता रह-रह कर प्यार मुझे॥ मैं हूँ अपने मन का राजा, इस पार रहूँ, उस पार चलूँ। मैं मस्त खिलाड़ी हूँ ऐसा, जी चाहे जीतूँ, हार चलूँ। मैं हूँ अबाध, अविराम अथक, बंधन मुझको स्वीकार नहीं। मैं नहीं अरे ऐसा राही, जो बेबस-सा मन मार चलूँ॥ कब रोक सकी मुझको चितवन, मदमाते कजरारे घन की, कब लुभा सकी मुझको बरबस, मधु-मस्त फुहारें सावन की। जो मचल उठें अनजाने ही अरमान नहीं मेरे ऐसे, राहों को समझा लेता हूँ सब बात सदा अपने मन की॥ इन उठती-गिरती लहरों का कर लेने दो श्रृंगार मुझे, इन लहरों के टकराने पर, आता रह-रह कर प्यार मुझे॥	
(क)	अपने मन का राजा कौन है ? (i) कवि (ii) सैनिक (iii) मजदूर (iv) नौकर	1
(ख)	प्रस्तुत पद्यांश का उद्देश्य क्या है ?	1

	(i)व्यक्ति को निर्भीक और स्वाभिमानी बनाना (ii)व्यक्ति को स्वेच्छाचारी बनाना (iii)व्यक्ति को कर्तव्य के प्रति अनिष्टावान बनाना (iv)व्यक्ति को आलसी बनाना	
(ग)	(क) सुमेलित कीजिए - सूची -1 A जीवन पथ पर चलते हुए B अपने मन का राजा C कवि को स्वीकार नहीं कूट - A B C (i) 2 3 1 (iii) 3 1 2 सूची -2 1 कहीं भी रहने के लिए स्वतंत्र 2 किसी भी प्रकार का बंधन 3 भयभीत न होने A B C (ii) 1 3 2 (iv) 1 2 3	1
(घ)	कवि को क्या स्वीकार नहीं है ?	1
(ङ)	कवि कैसा राही है ?	2
(च)	प्रस्तुत पद्यांश से हमें क्या शिक्षा मिलती है ?	2
	खंड -ख (अभिव्यक्ति और माध्यम)	22 अंक
3.	निम्नलिखित दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में एक रचनात्मक लेख लिखिए :- • राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका • काश ! मेरे पंख होते • विविधता में एकता भारत की पहचान	1X6=6
4.	निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए :-	4X2=8
(क)	मुद्रित माध्यमों के लिए लेखन कार्य करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ?	2
(ख)	न्यूज पेग क्या है ?	2
(ग)	समाचार लेखन की उल्टा पिरामिड शैली क्या है ?	2
(घ)	अप्रत्याशित लेखन करते समय लेखक के समक्ष कौन सी बड़ी चुनौतियाँ होती हैं ?	2
(ङ)	संपादकीय लेखन को स्पष्ट किजिए ?	2

5.	निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं 2 प्रश्नों के लगभग 80 शब्दों में उत्तर दीजिए :-	2x4=8
(क)	विशेष लेखन की भाषा शैली कैसी होनी चाहिए ?	4
(ख)	फीचर लेखन क्या है ? इसकी प्रमुख विशेषताएँ बताइए ।	4
(ग)	भारत में इंटरनेट पत्रकारिता तथा वेबपत्रकारिता के बारे में लिखिए ।	4
प्रश्न संख्या	खंड -ग (आरोह तथा वितान पर आधारित प्रश्न)	40 अंक
6.	निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :-	5 x1 =5
	फिर हम परदे पर दिखलाएँगे फूली हुई आँख की एक बड़ी तसवीर बहुत बड़ी तसवीर और उसके होंठों पर एक कसमसाहट भी (आशा है आप उसे उसकी अपंगता की पीड़ा मानेंगे) एक और कोशिश दर्शक धीरज रखिए देखिए हमें दोनों को एक संग रलाने हैं आप और वह दोनों (कैमरा बस करो नहीं हुआ रहने दो परदे पर वक्त की कीमत है) अब मुसकुराएँगे हम आप देख रहे थे सामाजिक उद्देश्य से युक्त कार्यक्रम (बस थोड़ी ही कसर रह गई)	
(क)	अपाहिज से दूरदर्शन कार्यक्रम संचालक किस प्रकार के प्रश्न पूछता है ? (i) अर्थपूर्ण (ii) तर्कसंगत (iii) भावपूर्ण (iv) अर्थहीन	1

(ख)	दूरदर्शन संचालक और कैमरामैन एक और कोशिश क्यों करना चाहते हैं? (i) तस्वीर साफ दिखाने के लिए (ii) अपाहिज की अपंगता को उभारने के लिए (iii) कार्यक्रम को आकर्षक बनाने के लिए (iv) चमत्कार उत्पन्न करने के लिए	1
(ग)	कविता के अनुसार टेलीविजन मीडिया सामाजिक कार्यक्रम के नाम पर क्या करता है? (i) लोगों के दुख-दर्द को बेचने का काम करता है। (ii) अपने व्यावसायिक हितों को पूरा करने का काम करता है। (iii) पीड़ितजनों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ करने का काम करता है। (iv) उपर्युक्त सभी	1
(घ)	दूरदर्शन संचालक के मन में सबसे बड़ी कसक..... रह गई । (i) दर्शक और अपाहिज, दोनों को एक साथ न रुला पाने की (ii) अपाहिज की पीड़ा दर्शकों तक न पहुँचा पाने की (iii) अपाहिज को अच्छे से न रुला पाने की (iv) दर्शकों को न रुला पाने की	1
(ड) (ड)	कथन(A)- कविता में प्रश्नकर्ता कैमरेवाले को आँख की बड़ी तस्वीर दिखाने के लिए कहता है। कारण(R)- ताकि दूरदर्शन, जनता की सहानुभूति प्राप्त कर सके। (i) कथन(A) सही है जबकि कारण(R) गलत है । (ii) कथन(A) गलत है जबकि कारण(R) सही है। (iii) कथन(A) और कारण(R) दोनों सही है R, Aकी व्याख्या करता है । (iv) कथन(A) और कारण(R) दोनों सही है R, Aकी व्याख्या नहीं करता है ।	
7.	निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर दीजिए :-	2x3=6अंक
(क)	कविता को बच्चों के समान क्यों कहा गया है? 'कविता के बहाने' कविता आधार पर तर्क सहित उत्तर दीजिए ।	3

(ख)	सूर्योदय होने से पहले आकाश में क्या -क्या परिवर्तन होते हैं ? 'उषा' कविता के आधार पर बताइए ।	3
(ग)	फिराक की रुबाइयों में घरेलू वातावरण के मोहक चित्र हैं , इस कथन की सोदाहरण पुष्टि कीजिए ।	3
8.	निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यान पूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए :-	2x2=4अंक
(क)	'विप्लव रव' से छोटे ही हैं शोभा पाते' पंक्ति में 'विप्लव रव' से क्या तात्पर्य है ?	2
(ख)	भाषा को सहूलियत से बरतने से कवि का क्या अभिप्राय है ? 'बात सीधी थी पर'- कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।	2
(ग)	रचना के संदर्भ में अंधड़ और बीज क्या हैं ? 'छोटा मेरा खेत' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।	2
9.	निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :-	5x1=5अंक
	शास्त्र का प्रश्न भी भक्तिन अपनी सुविधा के अनुसार सुलझा लेती है । मुझे स्त्रियो का सिर घुटाना अच्छा नहीं लगता, अतः मैंने भक्तिन को रोका । उसने अकुंठित भाव से उत्तर दिया कि शास्त्र में लिखा है । कुतूहलवश मैं पूछ बैठी -क्या लिखा है ? तुरंत उत्तर मिला -'तीरथ गए मुंडाए सिद्ध' कौन से शास्त्र का यह रहस्यमय सूत्र है, यह जान लेना मेरे लिए संभव ही नहीं था । अतः मैं हारकर मौन ही रही और भक्तिन का चूड़ाकर्म हर बृहस्पतिवार को एक दरिद्र नापित के गंगाजल से धुले उस्तरे द्वारा यथाविधि निष्पन्न होता रहा । पर वह मूर्ख है या विद्या -बुद्धि का महत्व नहीं जानती, यह कहना असत्य कहना है । अपने विद्या के अभाव को वह मेरी पढ़ाई -लिखाई पर अभिमान करके भर लेती है । एक बार जब मैंने सब काम करने वालों से अँगूठे के निशान के स्थान में हस्ताक्षर लेने का नियम बनाया, तब भक्तिन बड़े कष्ट में पड़ गई क्योंकि एक तो उससे पढ़ने की मुसीबत नहीं उठाई जा सकती थी, दूसरे सब गाड़ीवान दाइयों के साथ बैठकर पढ़ना उसकी वयोवृद्धता का अपमान था । अतः उसने कहना आरंभ किया -'हमारे मलकिन तौ रात-दिन कितबियन मा गड़ी रहती हैं । अब हमहूँ पढ़े लागब घर -गिरिस्ती कउन देखी-सुनी ।'	

(क)	किस बात से पता चलता है कि भक्तिन परम्पराओं का पालन करने वाली स्त्री है ? i. पढ़ाई -लिखाई से दूर रहना । ii. अपनी बोली में सीधा उत्तर देना iii. रोकने पर भी मुंडन संस्कार करते रहना iv. परंपरा के समर्थन में शास्त्रों का प्रमाण देना	1
(ख)	निम्नलिखित में से किस स्थिति में 'तीरथ गए मुड़ाए सिद्ध' मुहावरे का प्रयोग किया जाएगा? i. किसी को बड़ा पुरस्कार मिल जाए ii. किया हुआ प्रयास सफल हो जाए iii. पूरी कोशिश के बाद भी कुछ हासिल न हो iv. यात्रा बहुत मजेदार हो	1
(ग)	लेखिका को स्त्रियों का कौन-सा व्यवहार अच्छा नहीं लगता था? i. चूड़ियाँ पहनना ii. सिर घुटाना iii. उपवास करना iv. पूजा करना	1
(घ)	भक्तिन का चूड़ाकर्म कौन करता था? i. पड़ोसी ii. एक दरिद्र नापित iii. भक्तिन की सहेली iv. स्वयं लेखिका	1
(ङ)	अंत में लेखिका की स्थिति कैसी हो गई? i. क्रोधित ii. उत्साहित iii. मौन और हार मानने वाली iv. प्रसन्न	1
10.	निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर दीजिए :-	2x3=6अंक

(क)	बाजार दर्शन पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि 'मन बंद न हो, 'मन खाली हो और मन खाली न हो' - से लेखक क्या कहना चाहता है ?	3
(ख)	'काले मेघा पानी दे' पाठ के संदर्भ में लिखिए कि हमारे जीवन में नदियों का क्या महत्व है और इंदर सेना सबसे पहले गंगा मैया की जय क्यों बोलती है ?	3
(ग)	बाबा भीमराव आंबेडकर के अनुसार उनकी कल्पना का आदर्श समाज कैसा होना चाहिए ? अपने शब्दों में लिखिए ।	3
11.	निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर दीजिए :-	2x2=4अंक
(क)	भक्तिन और लेखिका के बीच कैसा संबंध था ? क्या वह लेखिका के घर में एक सेविका के रूप में थी ? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए ।	2
(ख)	चिलकती धूप में भी सरस रहने वाला शिरीष क्या प्रेरणा देता है ? अपने शब्दों में लिखिए ।	2
(ग)	लुट्टन पहलवान ने ऐसा क्यों कहा होगा कि मेरा गुरु कोई पहलवान नहीं, यही ढोल है ?	2
12.	निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 100 शब्दों में उत्तर दीजिए :-	5x2=10अंक
(क)	यशोधर बाबू की पत्नी समय के साथ ढल सकने में सफल होती हैं , लेकिन यशोधर बाबू असफल रहते हैं । ऐसा क्यों ?	5
(ख)	'जूझ' के कथानायक का मन पाठशाला जाने के लिए तड़पता था ? उसे खेती का काम अच्छा क्यों नहीं लगता था ? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए ।	5
(ग)	"सिंधु सभ्यता की खूबी उसका सौंदर्य है, जो राज -पोषित या धर्म -पोषित न होकर समाज -पोषित था ।" ऐसा क्यों कहा गया ?	5